## महत्वपूर्ण एवं खास

### बीएड का चार वर्षीय कोर्स बंद, अब शिक्षक बनने के लिए एक वर्षीय बीएड कोर्स करना होगा

**रायपुर (आरएनएस)।** छग सहित देश के संपूर्ण राज्यों में बीएड का पुराना चार वर्षीय कोर्स बंद कर दिया गया है नई शिक्षा नीति में बदलाव के तहत अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026 में पुराने चार वर्षीय कोर्स को बंद कर एक वर्षीय बीएड कोर्स पास करना अब शिक्षक बनने के लिए बनाया गया है। इस कोर्स को बेचलर ऑफ एजुकेशन के नाम से जाना जाता है और कोर्स की अवधि एक वर्ष है। यह कदम नई शिक्षा नीति के अनुरूप लिया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में लचीलापन दक्षता और गुणवत्ता लाने के लिए छात्रों के शैक्षणिक परिणामों को सर्वोत्तम बनाने के लिए बनाया गया है। जो कम समय में शिक्षक बनने का सपना देख रहे है उनके लिए जिनके पास शिक्षा संबद्ध डिग्री नहीं है यह पाठ्यक्रम शिक्षा के गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए उठाया गया कदम है। पिछले कोर्स के अनुभवों के अनुसार एनईपी 2020 के सिफारिश के अनुसार बताया गया है कि 2014 में एनसीटीई द्वारा बीएड कोर्स की अवधि एक वर्ष से बढ़ाकर दो वर्ष कर दिया गया था। इसके बढ़ने के पीछे मुख्य कारण गुणवत्ता में सुधार और शिक्षकों को अधिक ज्ञान प्रशिक्षण देना था लेकिन समय के साथ उचित परिणाम नहीं मिलने से इस कोर्स में बदलाव किया गया है।

एक वर्षीय नया बीएड कोर्स एक स्नातकोत्तर स्तर का शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसे राष्ट्रीय शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता दी गई है। इसका उद्देश्य कम समय में योग्य अभ्यर्थियों को शिक्षक बनने की दिशा में जरूरी प्रशिक्षण का लाभ देना है यह कोर्स शैक्षणिक सत्र 2026 27 से प्रारंभ होगा तथा इसकी अधिसूचना एनसीईटी द्वारा 2025 में जारी की जाएगी। इस कोर्स की अवधि एक वर्ष की होगी। जिसमें दो सेमेस्टर होंगे। न्यूनतम प्रतिशत सामान्य वर्ग के लिए 50 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्गों के लिए 45 प्रतिशत लाना अनिवार्य है। कोर्स में अध्ययन के लिए अधिकतम आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है।

### माओवादियों से मुठभेड़, नेशनल पार्क क्षेत्र में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी

**बीजापुर (आरएनएस)।** बीजापुर जिले के नेशनल पार्क इलाके में माओवादियों की मौजूदगी की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने गुरुवार सुबह एक संयुक्त अभियान शुरू किया। इस दौरान सुरक्षाबलों की माओवादियों से तीखी मुठभेड़ हुई, जो अब तक जारी है। जानकारी के मुताबिक, माओवादियों के एक बड़े कैडर के इस इलाके में छिपे होने की खबर खुफिया सूत्रों से मिली थी, जिसके आधार पर विशेष बलों को रवाना किया गया। सुबह से ही दोनों ओर से गोलीबारी की खबरें सामने आई हैं। सुरक्षा बल पूरी सतर्कता के साथ ऑपरेशन को अंजाम दे रहे हैं। अब तक किसी प्रकार की आधिकारिक हताहत की जानकारी नहीं दी गई है। प्रशासन ने कहा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और जैसे-जैसे अभियान आगे बढ़ेगा, विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें।

### बलौदाबाजार में चावल से भरे ट्रक में लगी आग, बड़ा हादसा टला

**बलौदाबाजार (आरएनएस)।** बलौदाबाजार कोतवाली थाना क्षेत्र के भाटापारा रोड पर मंगलवार को एक चावल से लदे ट्रक में अचानक आग लग गई। ट्रक के केबिन से धुआं निकलता देख चालक ने तत्परता दिखाते हुए वाहन को सडक़ किनारे रोका और समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। जानकारी के अनुसार, ट्रक बिलाईगढ़ से चावल लेकर अर्जुनी स्थित एक गोदाम की ओर जा रहा था। इसी दौरान भाटापारा रोड पर वाहन के केबिन में अचानक आग लग गई। इस दौरान चालक ने समझदारी दिखाते हुए ट्रक को तत्काल सडक़ के किनारे लगाया और कुदकर अपनी जान बचाई। इसके बाद चालक ने तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी।

## खेती में नवाचार

# धमतरी में 20 एकड़ में शुरू हुई मखाने की खेती

- आगामी नवम्बर महीने में 100 एकड़ रकबे में खेती की योजना
- कृषि विज्ञान केन्द्र से मिलेंगे मखाने के पौधे, किसानों को ट्रेनिंग भी मिलेगी
- मखाना उत्पादन से धमतरी को मिलेगी नई पहचान

**धमतरी | आरएनएस**

धमतरी जिले में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की पहल पर किसानों ने मखाने की खेती शुरू कर दी है। जिले के कुरूद विकासखण्ड के राखी और धमतरी विकासखण्ड के सरसोंपुरी तथा दरगहन गांवों में लगभग 20 एकड़ रकबे में तालाबों में मखाने की फसल लगी है। जिसके लिए कलेक्टर मिश्रा ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को धमतरी बुलाकर किसानों को मखाने की खेती के बारे में जानकारी दिलाई थी। कृषि विभाग के अधिकारियों ने भी किसानों को मखाने की खेती से होने वाले फायदों को बताकर उन्हें प्रेरित किया था। किसानों को नि:शुल्क प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया गया था। जिला प्रशासन ने आगामी नवम्बर महीने में 100 एकड़ रकबे में मखाने की खेती कराने की योजना बना ली है। किसानों को मखाने के पौधों कृषि विज्ञान केन्द्र में तैयार कर उपलब्ध कराए जएंगे।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बताया कि अभी देश में मखाने की सबसे अधिक खेती बिहार में होती है। अब धमतरी से इसकी खेती से किसानों को अच्छा फायदा तो होगा ही साथ ही धमतरी को एक नई पहचान भी मिलेगी। कृषि वैज्ञानिकों ने धमतरी जिले के मौसम और लो-लैण्ड खेतों को मखाने की खेती के लिए उपयुक्त बताया है। जिले में मखाना उत्पादन की संभावनाओं को देखते हुए बड़े पैमाने पर मखाने की खेती करने किसानों को तैयार किया जा रहा है। कलेक्टर मिश्रा ने बताया कि मखाने की खेती के लिए किसानों को नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। मखाने के बीज से लेकर फसल की देखरेख और अच्छे उत्पादन के लिए तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। किसानों को इस बारे में पूरी जानकारी देने के लिए मखाने के खेतों का भी भ्रमण कराया जाएगा। कलेक्टर ने मखाने की खेती के लिए किसानों को कृषि और उद्यानिकी विभाग से शासकीय अनुदान और सहायता भी उपलब्ध कराने की बात कही है। कलेक्टर ने मखाने के प्रोसेसिंग के लिए स्थानीय स्तर पर यूनिट लगाने के लिए उद्योग विभाग और नाबार्ड के अधिकारियों से भी बात की है।

**धान के बदले मखाना से मिल सकता है दुगुना फायदा-**

कृषि विशेषज्ञों-वैज्ञानिकों का कहना है कि धान के बदले मखाना की खेती से किसान दो गुना फायदा ले सकते है। एक एकड़ धान की खेती से किसानों को जहां औसतन 75 हज़ार रुपए का फायदा मिलता है, वहीं एक एकड़ में मखाना की खेती से औसतन डेढ़ लाख रुपये तक का लाभ मिल सकता है। कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि मखाने की फसल छह माह की अवधि की होती है। यह फसल एक फीट से लेकर डेढ़ फीट तक के पानी से भरे खेत में ली जाती है। एक एकड़ रकबे में लगभग चार हज़ार पौधों का रोपण किया जाता है, जिससे औसतन दस क्विंटल उपज मिलती है। कृषि वैज्ञानिकों का मत है कि छतीसगढ़ में उगने वाला मखाना साइज में बड़ा और स्वाद में अन्य राज्यों के मखाने से बेहतर है। इसे बीज के रूप में बेचने पर डेढ़ से दो लाख रुपए प्रति एकड़ और प्रोसेसिंग कर बेचने पर प्रति एकड़ तीन लाख रुपए तक का फायदा हो सकता है।

## स्वास्थ्य केन्द्रों में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

- प्लास्टिक के उपयोग से परहेज करने किया गया जागरूक
- स्वास्थ्य कर्मियों ने किया पौधरोपण

**रायगढ़**

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में आज 'प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना' के थीम के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों के बीच संगोष्ठि का आयोजन किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लोईंग के अन्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बंगुरसिया, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सम्बलपुरी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत, डॉ. केनन डेनियल, डॉ. सुमित मण्डल जिला नोडल अधिकारी जिला, रंजना पैंकरा, जिला कार्यक्रम प्रबधंक डॉ. कल्याणी पटेल, एपी डरमियो लॉजिस्ट और सीएमएचओ कार्यालय के अन्य अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा पौधे लगाये गये।

इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि गर्म खाद्य पदार्थो के पॉलीथीन /प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल न करें। बाजार जाने पर सामान लाने हेतु कपड़े के थैले का प्रयोग करें, थोक में समान खरीदे जिससे पैकेजिंग का उपयोग कम हो, प्लास्टिक की बोतलों के स्थान पर स्टेनलेस स्टील या कांच की बोतलो का उपयोग करें। इसी तरह भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग लगवाये। घर से निकलने वाले गीले कचरे को खाद बनाकर इस्तेमाल करें। अधिक से अधिक पेड़ पौधा लगाये और वृक्ष की देखभाल करें।

## विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विकासखण्डों में आयोजित हुए विविध कार्यक्रम

- एक पेड़ मां के नाम अमृत सरोवर स्थलों में किया गया पौधरोपण, जल संरक्षण की ली शपथ
- विभिन्न स्थलों की गई साफ-सफाई, रैली निकालकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

**रायगढ़**

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आज जिले के समस्त विकासखण्डों में विभिन्न स्थलों में साफ-सफाई, रैली, वृक्षारोपण जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासन के निर्देशानुसार एक पेड़ मां के नाम 2.0 का भी आगाज हुआ।

मोर गांव मोर पानी महाअभियान के तहत क्लस्टर लेवल प्रशिक्षण के उपरांत जनप्रतिनिधियों के साथ अमृत सरोवर स्थल में वृक्षारोपण किया गया। वहीं स्थलों की साफ-सफाई के साथ रैली निकाली गई। साथ जल संरक्षण के लिए शपथ भी ली गई। कार्यक्रम में सरपंच, सचिव, उप सरपंच, रोजगार सहायक, तकनीकी सहायक, कार्यक्रम अधिकारी, सीईओ जनपद सहित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

## विकसित कृषि संकल्प अभियान: जिले के विभिन्न गांवों में आयोजित हुआ कार्यक्रम

**रायगढ़**

विकसित कृषि संकल्प अभियान भारत सरकार द्वारा 2025 में शुरू किया गया एक विशेष अभियान है, जिसका उद्देश्य देश के किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों से जोडऩा, उनकी आय बढ़ाना और कृषि को आधुनिक एवं टिकाऊ बनाना है। यह अभियान 27 मई से शुरू हुई जो आगामी 12 जून तक चलेगा। इस अभियान में 731 केवीके, 113 आईसीएआर संस्थान, राज्य स्तरीय विभाग तथा कृषि, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन के अधिकारी तथा नवोन्मेषी किसान शामिल हो रहे है। अभियान में कृषि वैज्ञानिकों की टीम गांव-गांव जाकर किसानों से संवाद कर रही है। अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग फसलों पर काम कर रहे हैं, किसानों के बीच जाकर उनकी समस्याएं समझने और उनके समाधान की कोशिश लगातार जारी है। जिसमें मृदा परीक्षण, खेत की तैयारी, फसल चयन, बीज उपचार, उन्नत कृषि यंत्रों का उपयोग, कृषि ड्रोन का उपयोग, संतुलित उर्वरक उपयोग, जल संरक्षण, समन्वित कीट प्रबंधन, समय पर बनी, कतार बनी, पैड़ी ट्रांसप्लांट से धान की रोपाई इत्यादि की जानकारी दी जा रही है।

## सड़क सुरक्षा अभियान: रोटरी क्लब रायगढ़ ग्रेटर की पहल पर ब्लैक स्पॉट्स पर लगाया गया हाई मास्ट लाइट्स

**रायगढ़**

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सड़क सुरक्षा को सशक्त करने के उद्देश्य से समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब रायगढ़ ग्रेटर ने एक सराहनीय पहल करते हुए जोरापाली चौक और उर्दना तिराहा जैसे प्रमुख दुर्घटनाजन्य क्षेत्रों में हाई मास्ट टावर लाइट्स लगवाए हैं। इन इलाकों को जिले के प्रमुख ब्लैक स्पॉट्स में गिना जाता रहा है, जहां प्रकाश की कमी से रात्रिकालीन दुर्घटनाओं की संभावना अधिक रहती थी।

इससे पहले भी संस्था द्वारा सड़क सुरक्षा की दिशा में कई प्रयास किए जा चुके हैं—जैसे कि सभी प्रमुख ब्लैक स्पॉट्स पर चेतावनी संकेतक बोर्ड, 'नो पार्किंग' बोर्ड, ओवरब्रिज तिराहे पर रिफ्लेक्टर पोल और काशीराम चौक व जोरापाली चौक पर केट आई (Cat Eye) लगाए गए हैं। इन प्रयासों से सड़क सुरक्षा में बड़ा सुधार देखा गया है। रोटरी क्लब की इस जिम्मेदार और सक्रिय भूमिका के लिए यातायात पुलिस रायगढ़ ने संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया है।

यह पहल न केवल एक सहयोगी उदाहरण बनी है, बल्कि समाज के अन्य संगठनों को भी सार्वजनिक हित में कार्य करने की प्रेरणा दे रही है। भविष्य में भी रोटरी क्लब रायगढ़ ग्रेटर और यातायात पुलिस मिलकर ज़िले में सड़क सुरक्षा के लिए अन्य प्रभावी उपाय अपनाते हुए नजर आएंगे। इस सामाजिक योगदान की चारों ओर सराहना हो रही है।

## घरघोड़ा पुलिस ने प्रतिंधित नशीली सीरप के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

**रायगढ़**

अधीक्षक दिव्यांग पटेल के दिशा निर्देशन एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी धरमजयगढ़ सिद्दांत तिवारी के मार्गदर्शन पर मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत घरघोड़ा पुलिस ने मंगलवार 4 जून को एक बड़ी कार्यवाही करते हुए नशीली सीरप के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक कुमार गौरव के नेतृत्व में यह कार्यवाही दर्रीडीपा घरघोड़ा मेन रोड किनारे की गई, जहां एक युवक काले रंग की बजाज पल्सर मोटरसाइकिल से संदिग्ध स्थिति में ग्राहक का इंतजार कर रहा था। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया।

पकड़े गए युवक ने अपना नाम श्रवण कोरवा पिता सुंदरलाल कोरवा उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम आमापाली, थाना लैलूंगा, जिला रायगढ़ बताया। पूछताछ के दौरान उसने प्रतिबंधित नशीली सीरप को बिक्री हेतु रखने की बात स्वीकार की। गवाहों की उपस्थिति में उसकी मोटरसाइकिल की तलाशी ली गई, जिसमें हैंडल में रखे एक सफेद झोले से कुल 32 शीशियां ONEREX Cough Syrup बरामद की गईं। प्रत्येक शीशी 100 एमएल की थी, जिनमें Codeine Phosphate I.P. 10 mg व Triprolidine Hydrochloride I.P. 1.25 mg पाया गया। कुल बरामद मात्रा 3200 एमएल (3.2 लीटर) है, जिसकी अनुमानित कीमत 6240 रुपये है।

पूछताछ में श्रवण कोरवा द्वारा इन सीरप को बिक्री के लिए रखना और परिवहन करना स्वीकार किया गया। उसके विरुद्ध थाना घरघोड़ा में अपराध क्रमांक 147/2025 धारा 21 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक कुमार गौरव साहू, एएसआई रामसंजीवन वर्मा, आरक्षक उधो पटेल और भानुप्रताप चंद्रा की प्रमुख भूमिका रही। पुलिस की यह कार्यवाही नशीली दवाओं की तस्करी के विरुद्ध जारी अभियान में एक और महत्वपूर्ण सफलता है।

## विश्व पर्यावरण दिवस

## 'एक पेड़ मां के नाम' पर्यावरण की हरियाली बढ़ाने के साथ ही प्रकृति के करीब लाने की पहल -महापौर जीवर्धन चौहान

- जनप्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन की टीम ने किया पौधरोपण

**रायगढ़**

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज न्यायिक कर्मचारी आवासीय परिसर स्थित गार्डन में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्री लाल साहू, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, आयुक्त नगर निगम बृजेश क्षत्रिय एवं डीएफओ रायगढ़ अरविंद पीएम ने जामुन एवं कटहल के पेड़ लगाए।

महापौर जीवर्धन चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंशानुरूप विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम लगाया गया है। इससे प्रकृति की हरियाली के साथ ही पर्यावरण को स्वच्छ एवं वातानुकूलित बनाए रखने में मदद मिलेगी। इस अभियान का उद्देश्य लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति एक पेड़ अपने माता-पिता के नाम लगाते है, तो न केवल यह पर्यावरण की हरियाली बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि भावनात्मक रूप से भी लोगों को प्रकृति के करीब लाया जा सकेगा।

सभापति डिग्री लाल साहू ने कहा कि यह पहल न केवल प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दर्शाती है, बल्कि यह भावनात्मक जुड़ाव से भी जुड़ी हुई है, जिस प्रकार मां हमें जीवन देती हैं, उसी प्रकार एक वृक्ष भी हमें शुद्ध वायु, छाया और जीवनदायिनी ऊर्जा प्रदान करता है। पेड़ लगाने से कई लाभ होते हैं, वृक्ष शहरों में तापमान को नियंत्रित करने, ध्वनि प्रदूषण को कम करने और जैव विविधता को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।

इस दौरान पार्षद मुक्ति नाथ बबुआ, राजेंद्र ठाकुर, आशीष ताम्रकार अमित शर्मा, पंकज कंकरवाल, पूनम सोलंकी, त्रिवेणी डहिरे, उसत भट्ट एवं अमरनाथ रात्रे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न फलदार एवं छायादार पेड़ का रोपण किया।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU